पैट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एच प्रकाश मालवीय): (क) 1989-90 के दौरान मध्य प्रदेश में पैट्रोलियम उत्पादों की कुल खपत करीब 2.5 मिलियन टन थी ।

(ख) खाडी संकट के पश्चात मध्य प्रदेश को की गई प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति का विवरण नीचे दिया गया है:-

(आंकड़े मि० ट० में)

	एम एस	एच एस डी	एमके ओ
अगस्त 1990	14277	100036	30218
सितम्बर, 1990	11801	83570	28545
अक्तूबर, 1990	11980	95056	27412

मध्य प्रदेश में पैट्रोल पम्पों के मालिक

340. श्री कैलाश नारायण सारंग: क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन व्यक्तियों के पास, मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में पैट्रोल पम्पों के मालिकाना हक है ; और

(ख) इनमें से प्रत्येक व्यक्ति के पास यह मालिकाना हक कब से है ?

पैट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एच प्रकाश मालवीय) : (क) तेल कम्पनियां खुदरा बिक्री केन्द्र की डीलरशिपें स्वामित्व के आधार पर प्रदान नहीं करती हैं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Vayudoot Services

341. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI MAHENDRA PRASAD:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item which appeared in the Tribune dated October 8, 1990 captioned 'Vayudoot goes haywise';

(b) whether it is a fact that Vayudoot is in total disarray and that abrupt schedule changes and last minute flight cancellations have become the order of the day; and

(c) if so, what steps have been taken to improve the services?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI HARMOHAN DHAWAN): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Vayudoot is saddled with aged and uneconomical aircraft, short haul routes, and unremunerative fare structure. These have rendered Vayudoot's operations inherent-ly unviable. Vayudoot had also overstretched its operations leading to erratic and unreliable services and increasing losses. In order to cope with the situation, the airlines rationalising its network and eliminating unnecessary expenditures. A new schedule has been announced with effect from 1 November, 1990 reducing the number of stations in the network to about 55. This will help enhancing the reliability of the services and minimising the magnitude of the losses.